# भजन

क्या बताएं नूरी दर की दास्तां
हो रहे चर्चे वाहेदत के जहां

1–जिस पर हो जाए धनी की इक नजर
मस्त वह अलमस्त रहते है बशर
लब पे रहता है सदा हक का बयां
2–जिस तरफ देखो उधर ही प्यार है
सेवा बंदगी ही धनी से प्यार है
पी रहे है वानी का सब रस यहां
3–रात दिन है जिकर निज धाम का
मेहर के सागर श्री श्यामा श्याम का
दर असल श्रीजी साहेब ही हैं मेहरबां
4–ये हकीकी रतन दरबार है
आंख वालों को होता दीदार है
पाक दर यह छोड़ कर जाएं कहां